खण्ड–507, अंक–09
शुक्रवार, 26 माघ, शक संवत् 1940
(15 फरवरी, 2019 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(सत्रहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, वर्ष 2019)

(खण्ड 507 में 10 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2019

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय		पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	. .	1-6
जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जनपद में शहीद हुए सी0आर0पी0एफ0 के जवानों के प्रति शोकोद्गार	. .	7-14

उत्तर प्रदेश विधान सभा
सत्रहवीं विधान सभा

शुक्रवार, दिनांक 15 फरवरी, 2019 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा मण्डप लखनऊ में दिन के 11 बजे अध्यक्ष श्री हृदय नारायण दीक्षित की अध्यक्षता में आरम्भ हुई)

उपस्थित सदस्य-262

1. अगयश राम सरन वर्मा, श्री — पीलीभीत
2. अजय कुमार, डॉ0 — इलाहाबाद
3. अजय कुमार लल्लू, श्री — कुशीनगर
4. अजय कुमार सिंह ''अजय सिंह'', श्री — बस्ती
5. अजीत कुमार उर्फ राजू यादव, श्री — सम्भल
6. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
7. अजीत पाल सिंह, श्री — कानपुर देहात
8. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
9. अनिल कुमार दोहरे, श्री — कन्नौज
10. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
11. अनिल सिंह, श्री — उन्नाव
12. अनीता, श्रीमती — अम्बेडकर नगर
13. अनीता लोधी राजपूत, डॉ0 — बुलन्दशहर
14. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
15. अनूप प्रधान, श्री — अलीगढ़
16. अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, श्री — प्रतापगढ़
17. अभिजीत सिंह सांगा, श्री — कानपुर नगर
18. अमर सिंह, श्री — फर्रुखाबाद
19. अमर सिंह चौधरी, श्री — सिद्धार्थनगर
20. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
21. अम्बरीश सिंह पुष्कर एडवोकेट, श्री — लखनऊ
22. अरूण कुमार, डॉ0 — बरेली
23. अलका राय, श्रीमती — गाजीपुर
24. अवस्थी बाला प्रसाद, श्री — खीरी
25. अविनाश त्रिवेदी, श्री — लखनऊ
26. अशोक कुमार सिंह चन्देल, श्री — हमीरपुर
27. असलम अली, श्री — हापुड़
28. आजाद अरिमर्दन, श्री — आजमगढ़
29. आनन्द स्वरूप शुक्ल, श्री — बलिया
30. आर0 के0 वर्मा, डॉ0 — प्रतापगढ़
31. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
32. आशीष कुमार सिंह ''आशू'', श्री — हरदोई
33. आशुतोष उपाध्याय, श्री — देवरिया
34. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
35. इकराम कुरैशी, हाजी — मुरादाबाद
36. इरफान सोलंकी, हाजी — कानपुर नगर
37. उज्जवल रमण सिंह, श्री — इलाहाबाद
38. उदयभान सिंह, चौ0 — आगरा
39. उपेन्द्र तिवारी, श्री — बलिया
40. उपेन्द्र सिंह, श्री — बाराबंकी
41. उमाशंकर सिंह, श्री — बलिया
42. उमेश मलिक, श्री — मुजफ्फरनगर
43. ओमकार सिंह, श्री — बदायूं
44. ओम प्रकाश राजभर, श्री — गाजीपुर
45. कपिल देव अग्रवाल, श्री — मुजफ्फरनगर

46. कमल रानी, श्रीमती कानपुर नगर
47. कमल सिंह मलिक, श्री हापुड़
48. कमलेश शुक्ल, श्री देवरिया
49. कमलेश सैनी, श्रीमती बिजनौर
50. करण सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
51. कल्पनाथ पासवान, श्री आजमगढ़
52. कारिन्दा सिंह, श्री मथुरा
53. काली प्रसाद, श्री देवरिया
54. किशन लाल राजपूत, श्री पीलीभीत
55. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
56. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
57. केसर सिंह, श्री बरेली
58. कैलाश नाथ शुक्ल, श्री बलरामपुर
59. कैलाश नाथ सोनकर, श्री वाराणसी
60. कैलाश सिंह राजपूत, श्री कन्नौज
61. गरिमा सिंह, श्रीमती अमेठी
62. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
63. चन्द्र प्रकाश उर्फ सीए चन्द्र प्रकाश शुक्ल, श्री बस्ती
64. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
65. छत्रपाल सिंह गंगवार, श्री बरेली
66. जगदीश सोनकर, श्री जौनपुर
67. जगन प्रसाद गर्ग, श्री आगरा
68. जटाशंकर त्रिपाठी, श्री कुशीनगर
69. जमुना प्रसाद सरोज, डॉ0 इलाहाबाद
70. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
71. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
72. जितेन्द्र वर्मा, श्री आगरा
73. जी0 एस0 धर्मेश, डॉ0 आगरा
74. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
75. डेनजिल जे0 गोडिन, डा0 नाम-निर्देशित
76. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
77. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्ध नगर
78. त्रिवेणी राम, श्री गाजीपुर
79. दयाराम चौधरी, श्री बस्ती
80. दल बहादुर, श्री रायबरेली
81. दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे, श्री सन्तकबीर नगर
82. दिनेश खटीक, श्री मेरठ
83. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
84. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
85. देवमणि द्विवेदी, श्री सुल्तानपुर
86. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
87. देवेन्द्र सिंह राजपूत, श्री कासगंज
88. देवेन्द्र सिंह लोधी एडवोकेट, श्री बुलन्दशहर
89. धनन्जय कन्नौजिया, श्री बलिया
90. धर्मराज सिंह यादव उर्फ सुरेश यादव, श्री बाराबंकी
91. धीरेन्द्र बहादुर सिंह, श्री रायबरेली
92. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्ध नगर
93. नईम उल हसन, श्री बिजनौर
94. नन्द किशोर गुर्जर, श्री गाजियाबाद
95. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
96. नरेन्द्र सिंह वर्मा, श्री सीतापुर
97. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
98. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
99. नाहिद हसन, श्री शामली
100. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
101. निर्मला संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
102. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
103. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी

104. नील रतन सिंह पटेल 'नीलू', श्री — वाराणसी
105. नीलिमा कटियार, श्रीमती — कानपुर नगर
106. पक्षालिका सिंह, रानी — आगरा
107. पवन कुमार उर्फ पवन केडिया, श्री — कुशीनगर
108. पल्टूराम, श्री — बलरामपुर
109. पारसनाथ यादव, श्री — जौनपुर
110. पूरन प्रकाश, श्री — मथुरा
111. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती — कानपुर देहात
112. प्रदीप कुमार, श्री — सहारनपुर
113. प्रभात कुमार वर्मा, श्री — गोण्डा
114. प्रभुनारायण सिंह यादव, श्री — चन्दौली
115. प्रमोद उटवाल, श्री — मुजफ्फरनगर
116. प्रेम नारायण पाण्डेय, श्री — गोण्डा
117. प्रेमसागर पटेल, श्री — महाराजगंज
118. बन्दना सिंह, श्रीमती — आजमगढ़
119. बम्बा लाल, श्री — उन्नाव
120. बल्देव सिंह औलख, श्री — रामपुर
121. बाबा गोरखनाथ, श्री — फैजाबाद
122. बाबू राम पासवान, श्री — पीलीभीत
123. बावन सिंह, श्री — गोण्डा
124. बिमला सिंह सोलंकी, श्रीमती — बुलन्दशहर
125. बिहारीलाल आर्य, श्री — झांसी
126. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री — हाथरस
127. बृजेश कठेरिया, इंजी0 — मैनपुरी
128. बृजेश कुमार, श्री — उन्नाव
129. ब्रिजेश, श्री — सहारनपुर
130. भगवती प्रसाद सागर, श्री — कानपुर नगर
131. भूपेश चौबे, श्री — सोनभद्र
132. मंजू त्यागी, श्रीमती — खीरी
133. मनीष असीजा, श्री — फिरोजाबाद
134. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री — रायबरेली
135. मनोज कुमार पारस, श्री — बिजनौर
136. मन्जू शिवाज, डॉ0 — गाजियाबाद
137. ममतेश शाक्य, श्री — कासगंज
138. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री — रायबरेली
139. महबूब अली, श्री — अमरोहा
140. महेन्द्र प्रताप सिंह, श्री — सीतापुर
141. महेन्द्र सिंह खडगवंशी, श्री — अमरोहा
142. महेश कुमार गोयल, श्री — आगरा
143. माधवेन्द्र प्रताप, कुंवर — हरदोई
144. मानवेन्द्र सिंह, श्री — शाहजहांपुर
145. मुकेश चन्द्र वर्मा, श्री — फिरोजाबाद
146. मो0 मुजतबा सिद्दीकी, श्री — इलाहाबाद
147. मोहम्मद असलम ''राइनी'' (एडवोकेट), श्री — श्रावस्ती
148. मोहम्मद रिजवान, श्री — मुरादाबाद
149. मो0 फईम इरफान, श्री — मुरादाबाद
150. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री — आगरा
151. योगेश धामा, श्री — बागपत
152. योगेश वर्मा, श्री — खीरी
153. रजनीकान्त मणि त्रिपाठी, श्री — कुशीनगर
154. रणवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भइया, श्री — फतेहपुर
155. रत्नाकर मिश्र, श्री — मिर्जापुर
156. रफीक अन्सारी, श्री — मेरठ
157. रमाशंकर सिंह, श्री — मिर्जापुर
158. रमेश चन्द्र दिवाकर, श्री — औरैया
159. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री — जौनपुर
160. रवि कुमार सोनकर, श्री — बस्ती
161. रवेन्द्रपाल सिंह, श्री — अलीगढ़

162. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
163. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
164. राकेश सिंह, श्री रायबरेली
165. राजकुमार अग्रवाल, श्री हरदोई
166. राजबाला, श्रीमती रामपुर
167. राजवीर दिलेर, श्री अलीगढ़
168. राजीव तरारा, श्री अमरोहा
169. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
170. राजेश गौतम, श्री सुल्तानपुर
171. राधा मोहन दास अग्रवाल, डॉ0 गोरखपुर
172. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकर नगर
173. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
174. रामगोपाल पप्पू लोधी, श्री फिरोजाबाद
175. राम गोविन्द चौधरी, श्री बलिया
176. राम चन्द्र यादव, श्री फैजाबाद
177. राम नरेश रावत, श्री रायबरेली
178. राम प्रताप सिंह, श्री आगरा
179. राम प्रताप उर्फ शशिकांत वर्मा, श्री बलरामपुर
180. राम फेरन पाण्डेय, श्री श्रावस्ती
181. रामानन्द बौद्ध, श्री कुशीनगर
182. राहुल प्रकाश, श्री मिर्जापुर
183. रितेश कुमार गुप्ता, श्री मुरादाबाद
184. रितेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकर नगर
185. रोशन लाल वर्मा, श्री शाहजहांपुर
186. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
187. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकर नगर
188. लाल बहादुर, श्री कौशाम्बी
189. लीना तिवारी, श्रीमती जौनपुर
190. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
191. विकास गुप्ता, श्री फतेहपुर
192. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
193. विजय कुमार कश्यप, श्री मुजफ्फरनगर
194. विजेन्द्र सिंह, श्री बुलन्दशहर
195. विनय कुमार द्विवेदी, श्री गोण्डा
196. विनय शंकर तिवारी, श्री गोरखपुर
197. विनोद कुमार कटियार, श्री कानपुर देहात
198. विपिन कुमार 'डेविड', श्री एटा
199. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
200. विमलेश पासवान, डा0 गोरखपुर
201. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
202. वीर विक्रम सिंह, प्रिंस शाहजहांपुर
203. वीरेन्द्र सिंह सिरोही, श्री बुलन्दशहर
204. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री फैजाबाद
205. शरद कुमार अवस्थी, श्री बाराबंकी
206. शरदवीर सिंह, श्री शाहजहांपुर
207. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
208. शीतल पाण्डेय, श्री गोरखपुर
209. शीतला प्रसाद, ''पप्पू पटेल'' श्री कौशाम्बी
210. शुचिस्मिता मौर्या, श्रीमती मिर्जापुर
211. शैलेन्द्र यादव ललई, श्री जौनपुर
212. शोभा सिंह चौहान, श्रीमती फैजाबाद
213. श्याम धनी, श्री सिद्धार्थनगर
214. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
215. श्याम बिहारी लाल, डॉ0 बरेली
216. श्याम सुन्दर शर्मा, श्री मथुरा
217. श्रीकान्त शर्मा, श्री मथुरा
218. श्रीराम सोनकर, श्री मऊ
219. संगम लाल गुप्ता, श्री प्रतापगढ़
220. संगीत सिंह सोम, श्री मेरठ

221. संगीता बलवन्त, डा0 गाजीपुर
222. संगीता यादव, श्रीमती गोरखपुर
223. संजय, श्री बुलन्दशहर
224. संजय गर्ग, श्री सहारनपुर
225. संजय प्रताप जायसवाल, श्री बस्ती
226. संजय सिंह गंगवार, श्री पीलीभीत
227. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
228. संजीव राजा, श्री अलीगढ़
229. संजू देवी, श्रीमती अम्बेडकर नगर
230. सत्यपाल सिंह बघेल, श्री फिरोजाबाद
231. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
232. सत्यवीर त्यागी, श्री मेरठ
233. सन्त प्रसाद, श्री गोरखपुर
234. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
235. साकेन्द्र प्रताप वर्मा, श्री बाराबंकी
236. साधना सिंह, श्रीमती चन्दौली
237. सावित्री कठेरिया, श्रीमती इटावा
238. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
239. सुखदेव राजभर, श्री आजमगढ़
240. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
241. सुभाष त्रिपाठी ऐडवोकेट, श्री बहराइच
242. सुरेन्द्र नाथ सिंह, श्री बलिया
243. सुरेश कुमार, श्री शामली
244. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
245. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
246. सुरेश कुमार श्रीवास्तव, श्री लखनऊ
247. सुरेश तिवारी, श्री देवरिया
248. सुरेश राही, श्री सीतापुर
249. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
250. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
251. सुषमा पटेल, श्रीमती जौनपुर
252. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
253. सूर्यभान सिंह, श्री सुल्तानपुर
254. स्वाती सिंह, श्रीमती लखनऊ
255. स्वामी प्रसाद मौर्य, श्री कुशीनगर
256. हरिओउम यादव, श्री फिरोजाबाद
257. हरिशंकर माहौर, श्री हाथरस
258. हरीराम, श्री सोनभद्र
259. हरेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जौनपुर
260. हाकिम लाल बिन्द, श्री इलाहाबाद
261. हेमलता दिवाकर कुशवाहा, श्रीमती आगरा
262. हृदय नारायण दीक्षित, श्री उन्नाव

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जनपद में शहीद हुए सी0आर0पी0एफ0 के जवानों के प्रति शोकोद्गार

श्री अध्यक्ष-

मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी।

संसदीय कार्य, नगर विकास एवं शहरी समग्र विकास मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मा0 अध्यक्ष जी, बड़े ही दुख के साथ इस सदन को सूचित करना पड़ रहा है कि कल जो जम्मू एण्ड कश्मीर के पुलवामा क्षेत्र में घटना घटी और उसमें हमारे देश की सी0आर0पी0एफ0 के 41 जवान शहीद हुए। मान्यवर, कई अखबारों में यह संख्या 44 भी आई है, लेकिन जो हमारे पास सूचना आयी है वह अभी 41 की ही है और उसमें लगभग 40 लोग घायल हुए हैं और पाकिस्तान का जो आतंकवादी संगठन है, जैश-ए-मोहम्मद, उसने इसकी जिम्मेदारी भी ली है। मान्यवर, जब से पाकिस्तान प्रत्यक्ष लड़ाई में हारा है, तब से वह आमने-सामने युद्ध नहीं करना चाहता। वह इसी प्रकार की कायराना हरकत करता है और जब-तब कहीं पर भी इस प्रकार की आतंकवादी घटनाओं को करके वह अपनी खीज निकालता है, हालांकि समय-समय पर हमारी फौजों ने उसका जवाब दिया, मुंह तोड़ जवाब दिया है और आज भी इसी बात की बहुत सख्त आवश्यकता है। उसको उसी की भाषा में जवाब दिया जाए क्योंकि चलते हुए लोगों पर हमले की यह घटना सामने आयी है। इसमें लगभग 2047 लोग अपनी गाड़ियों में श्रीनगर की तरफ जा रहे थे और उस काफिले में एक गाड़ी बीच में आकर टकराई जिसमें बहुत बड़ी मात्रा में लगभग 300 किलोग्राम से अधिक विस्फोटक था। वह गाड़ी काफिले की उस गाड़ी से टकराई जिसके अन्दर सी0आर0पी0एफ0 के सबसे ज्यादा जवान बैठे थे और वहां पर यह विध्वंस की घटना हुई। इस घटना की जितनी भी निन्दा की जाए कम है। हमारे पड़ोसी मुल्क की कायराना हरकत है और आज पूरा देश उन जवानों के परिवारों के साथ खड़ा है, उनकी बहादुरी के साथ खड़ा है। हम उनके प्रति विनम्र रूप से श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए यहां पर खड़े हुए हैं। मान्यवर, इस घटना में उत्तर प्रदेश के 11 जनपदों के 12 लोग शहीद हुए। जनपद चंदौली, महाराजगंज, देवरिया, मैनपुरी, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, कन्नौज, कानपुर देहात, उन्नाव के एक-एक जवान शहीद हुए और जनपद शामली के दो जवान शहीद हुए। हम इनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

हम उन तमाम लोगों जिन्होंने अपने देश की खातिर यह कुर्बानी दी है, उनके प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इसमें हमारे पास इस समय जो सूचना है उसके हिसाब से असम से एक, बिहार से दो, हिमांचल प्रदेश से एक, जम्मू-कश्मीर से एक, झारखण्ड से एक, कर्नाटक से एक, केरल से एक, मध्य प्रदेश से एक, महाराष्ट्र से दो, उड़ीसा से दो, पंजाब से चार, राजस्थान से पांच, तमिलनाडु से दो, उत्तर प्रदेश से बारह, उत्तराखण्ड से तीन, वेस्ट बंगाल से

दो जवान शहीद हुए हैं। इस प्रकार से कुल 41 लोग इस घटना में शहीद हुए। हम इन सभी को अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। मान्यवर, जो लोग घायल हुए हैं, हम उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। हम और हमारे पूरे दल की सहानुभूति और संवेदना इन सभी शहीदों के परिवारों के लिए है जो इस घटना में दिवंगत हुए, शहीद हुए और जो किसी न किसी रूप में घायल हुए। मान्यवर, उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से यह व्यवस्था की गयी है कि हमारी सरकार के एक मा0 मंत्री, जिलाधिकारी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उनके अन्तिम संस्कार में शामिल होंगे। उनका अन्तिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान से किया जायेगा। साथ ही साथ 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि उनके परिवार के लोगों को दी जाएगी। परिवार के एक व्यक्ति को राज्य सरकार में नौकरी भी दी जाएगी और उन जवानों के गांव या जिस क्षेत्र से वे बिलांग करते हैं, तो उनके पैतृक गांव के सम्पर्क मार्ग का नामकरण इन शहीद जवानों के नाम पर ही किया जाएगा। मान्यवर, आज प्रातः काल मा0 मुख्य मंत्री जी से बात करने का अवसर मिला था। यह घटना अपने आप में इस प्रदेश के लिए, इस देश के लिए बहुत बड़ी है और इसकी जितनी निन्दा जिन शब्दों में भी की जाय वह कम है। मुझे इस बात को कहते हुए प्रसन्नता है कि आज पूरा देश इस कायराना घटना के लिए निन्दा कर रहा है। मान्यवर, बहुत बड़ी जरूरत इस बात की है कि इस तरह के आतंकियों को, इस प्रकार के लोगों को जो इसके पीछे खड़े हैं, उन सभी लोगों को सबक सिखाने की आवश्यकता है। हम आपसे प्रार्थना करेंगे कि हमारी और हमारे दल की शोक संवेदनाएं उनके परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें और साथ ही साथ जो लोग किसी न किसी रूप में घायल हुए, चोटिल हैं, इंजर्ड हैं, उनके प्रति भी हम पूरी सहानुभूति, संवेदना रखते हैं और उनके परिवारों और उन तक भी हमारी और हमारे दल की संवेदना पहुंचाने की कृपा करें। मैं समझता हूं कि पूरा सदन आज इस घटना को लेकर शोकाकुल है। मान्यवर, आज सदन में सभी दलों के नेताओं के इस पर विचार आने के बाद हम आपसे प्रार्थना करेंगे कि दो मिनट का मौन रखकर हम अपनी संवेदना को व्यक्त करें।

नेता विरोधी दल (श्री राम गोविन्द चौधरी)-

माननीय अध्यक्ष जी, जो शोक संवेदना माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी ने व्यक्त की है उससे मैं अपने को सम्बद्ध करता हूं। हमको लगता है कि यह देश के लिए सबसे बड़ी दुःखद घटना है। इससे बड़ी दुखद घटना कोई नहीं हो सकती। जितने भी हमारे भाई शहीद हुए हैं उनको मैं व्यक्तिगत अपनी तरफ से, अपनी पार्टी की तरफ से और पूरे विपक्ष की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और जो हमारे भाई घायल हुए हैं उनके जल्द ही स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मान्यवर, बिल्कुल ऐसा हो गया है कि भोजपुरी में कहना है कि 'अब पानी सिर से ऊपर चला गया है नाक बुजबुजा रही है'। पूरा देश इसमें सरकार के साथ है। हम इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार के साथ हैं, केन्द्र की सरकार के साथ भी हैं। इस मामले में कि इसमें जबरदस्त कार्रवाई होनी चाहिए। पाकिस्तान नहीं मान रहा था एक जमाने में उसके दो

टुकड़े कर दिए गये, वह थोड़े दिन शान्त रहा। मैं आपके माध्यम से संसदीय कार्य मंत्री जी को आग्रह करूंगा कि केन्द्र सरकार से बात करें और जिस तरह से ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने ढूंढ कर मारा था, ऐसे ही जिन्होंने इस मामले की गारण्टी ली है कि हमने यह काम किया है, उनको ढूंढ कर खत्म किया जाय, तभी हिन्दुस्तान की आत्मा को शांति मिलेगी। इससे बड़ी घटना कोई हो ही नहीं सकती। जो कश्मीर में हो रहा है, हम भी पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे में लें जैसे पूर्वी पाकिस्तान हो गया अलग से, बांग्लादेश हो गया तो कोई न कोई जवाब तो देना ही पड़ेगा। जब भी घटनाएं होती हैं सबसे ज्यादा हमारे उत्तर प्रदेश के जवान शहीद होते हैं। इसमें भी सबसे अधिक उत्तर प्रदेश के जवान शहीद हुए हैं। मान्यवर, चाहे कितनी भी हम शहीदों की मदद कर दें और पहले से ही इस प्रदेश की सरकारे मदद करती आ रही हैं लेकिन मदद से कुछ होने वाला नहीं है। यह एक सांत्वना है, असली मदद तो तब होगी जब हम तुरंत उनसे बदला लेंगे। माननीय अध्यक्ष जी, बहुत बड़ी घटना है बोलने की इच्छा नहीं हो रही है। पक्ष-विपक्ष रुआंसे मन से यहां बैठा है। मैंने आपके यहां भी इस प्रस्ताव को रखा था और मैं फिर इसे रखता हूं कि लोकसभा नहीं चल रही है। और लोक सभा के बाद हिन्दुस्तान में उत्तर प्रदेश की विधान सभा, लोक सभा के बराबर मानी जाती है। इतिहास हो या न हो, परम्परा हो या न हो, कभी-कभी परम्परायें बनायी जाती हैं, कभी-कभी इतिहास भी बनाये जाते हैं। इतनी बड़ी दुःखद घटना हो गयी है। मैं आपसे प्रार्थना करूंगा, संसदीय कार्य मंत्री से भी प्रार्थना करूंगा कि शोक-सम्वेदना के बाद दिन भर के लिए सदन को स्थगित कर दिया जाय।

श्री अध्यक्ष-

मा0 नेता बहुजन समाज पार्टी।

श्री लालजी वर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में शहीद हुए सैनिकों के प्रति जो शोक संवेदना मा0 संसदीय कार्य मंत्री और मा0 नेता प्रतिपक्ष ने व्यक्त करने का काम किया है, मैं उससे अपने को सम्बद्ध करता हूं। मान्यवर, यह बहुत ही दुखद घटना है। आतंकवादियों के इस कार्य की पूरा देश निन्दा कर रहा है। पूरा देश एक साथ खड़ा है। भारत के वीर सपूतों को मैं अपने और अपने दल की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मैं आपसे यह आग्रह करूंगा कि हमारी और हमारी पार्टी की शोक संवेदना उन शहीद के परिवारों तक पहुंचाने की कृपा करें। मान्यवर, मेरी यही कुदरत से, ईश्वर से अपील है, प्रार्थना है कि मृतक आत्मा को शांति मिले और उनके परिवार को यह दुख सहन करने की ताकत मिले।

''लाख बार सर झुकाऊंगा, उनकी शहादत में,

जो शहीद हो गये, हमारी हिफाजत में''।

इन्हीं शब्दों के साथ शोक संवेदना व्यक्त करते हुए मैं अपनी बात को विराम देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 अजय जी, नेता कांग्रेस।

श्री अजय कुमार लल्लू-

माननीय अध्यक्ष जी, आज का दिन काफी दुःखद है। काफी मर्माहत करने वाला दिन है। और पूरे देश के लोगों की भावनाओं को झकझोर देने वाला काम हुआ है। कहीं न कहीं जो पाकिस्तान ने कायराना हमला किया है वह उसकी परम्परा में शामिल है। निरन्तर इस तरह की घटना और गतिविधियों में पाकिस्तान लिप्त रहता है। शहीद हुए लोगों के प्रति मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और साथ ही साथ जो घायल हुए हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। महोदय, आज मुझे वो दिन याद आ रहा है जब एक बार पाकिस्तान ने श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के जमाने में इस तरह का कृत्य किया था और इंदिरा गांधी जी ने पाकिस्तान में घुसकर उनको मुंहतोड़ जवाब दिया था। अब यह कायराना हरकत बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। अब सरकार को दृढ़ संकल्पित होते हुए पाकिस्तान के खिलाफ जंग छेड़ देना चाहिए और पाकिस्तान पर कब्जा करने का काम करना चाहिए। आज उन वीर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब आज हम पाकिस्तान में घुसकर पाकिस्तान पर कब्जा करने का काम करेंगे। ठीक मुंहतोड़ जवाब देकर उन शहीदों का हिसाब चुकता करेंगे। महोदय उत्तर प्रदेश के वीर शहीद जवानों ने सबसे ज्यादा अपने प्राणों की आहुति दी है। मैं अपने दल की तरफ से आपसे आग्रह करूंगा कि उन वीर शहीदों को हमारे दल की तरफ से एक शोक संवेदना उनके परिजनों तक पहुंचे और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने हेतु सरकार की जो भी समुचित इलाज से लेकर बेहतर जो भी व्यवस्था हो सकती है, वह करने का काम करे, इसमें पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है। सरकार निश्चित कोई कड़ा फैसला ले और माननीय अध्यक्ष जी, जो सरकार ने 25 लाख रुपये का फैसला किया है। मैं आग्रह करूंगा, इसे कम से कम 1 करोड़ रुपया उन शहीद परिजनों को एक धनराशि के रूप में, सहयोग के रूप में देने की व्यवस्था की जाय और घायलों को कम से कम 50-50 लाख रुपये देने की व्यवस्था की जाय।

श्री अध्यक्ष-

माननीय पटेल जी।

श्री नीलरतन सिंह पटेल 'नीलू'-

माननीय अध्यक्ष जी, यह बहुत बड़ी दुःख की घड़ी है। मैं नेता प्रतिपक्ष, संसदीय कार्य मंत्री, नेता बहुजन समाज पार्टी, नेता कांग्रेस से अपने आपको सम्बद्ध करते हुए, मैं कहना चाहूंगा कि जम्मू कश्मीर के पुलवामा में जैश-ए-मोहम्मद, आतंकी संगठन के द्वारा जो कायराना

हरकत की गयी है। हमारे देश की सीमा में लगे हुए जवानों को धोखे से मारने का काम किया गया है। हम अनुरोध करना चाहेंगे कि हमारी सरकार, इस भारत देश की सरकार, इस उत्तर प्रदेश की सरकार, जो भी सम्भव हो, इसका मुंहतोड़ जवाब देने का वक्त आ गया है। किसी भी कीमत पर दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए क्योंकि यह देश की अस्मिता का सवाल है, देश के मान-सम्मान का सवाल है। भारत मां की सुरक्षा में लगे हुए उन वीर जवानों को बेरहमी से मारने का काम किया गया है। माननीय अध्यक्ष जी, इसके लिए दुश्मन देश को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। शहीदों के परिजनों के साथ अपना दल मजबूती से खड़ा है। यह शोक सन्देश उन तक पहुंचाने का काम किया जाय और जो हमारे जवान शहीद हुए हैं, उनकी आत्मा की शांति के लिए मैं बाबा भोलेनाथ से यह कामना करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति मिले। हृदय से सच्ची श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए और घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए, शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए, मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं।

श्री अध्यक्ष-

माननीय राजभर जी।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अध्यक्ष जी, जो शोक संवेदना माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, माननीय नेता बहुजन समाज पार्टी, माननीय नेता कांग्रेस, माननीय नेता अपना दल ने व्यक्त की है, मैं अपने को उनके साथ सम्बद्ध करते हुए, अपनी ओर से व अपनी पार्टी की तरफ से संवेदना व्यक्त करता हूं। शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। जो घटना में घायल हैं, उनको जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं और माननीय अध्यक्ष जी से निवेदन है कि हमारी तरफ से एवं हमारी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवार को संवेदना भिजवाने की कृपा करें।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, यह सूची आ गयी है, नाम बता दें। जो कल की घटना में शहीद हुए हैं, उसमें उत्तर प्रदेश के 12 लोग हैं, उनके नाम हम सभी लोगों की जानकारी में आ जायेंगे। मान्यवर, श्री अवधेश कुमार यादव, ग्राम बहादुरपुर, पोस्ट मुगलसरात, जिला चन्दौली, श्री पंकज कुमार त्रिपाठी, ग्राम हारपुर, बेलहाया, पोस्ट ऑफिस लेजर, महादेवा जिला महाराजगंज, श्री अमित कुमार, ग्राम रायपार, पोस्ट शामली, पुलिस स्टेशन आदर्श मंडी, जिला शामली, श्री विजय कुमार मौर्या, ग्राम छपिया जयदेव, पोस्ट भटनी, पुलिस स्टेशन भटनी, जिला देवरिया, श्री राम वकील, ग्राम विनायकपुर, पोस्ट आफिस लखनमऊ, जिला मैनपुरी, श्री महेश कुमार, ग्राम तुदिहार बदल का पुरवा, पोस्ट ऑफिस न्यूधिया, तहसील मेजा, जिला प्रयागराज, श्री प्रदीप कुमार, ग्राम बनत, पोस्ट ऑफिस बनत, पुलिस स्टेशन शामली, जिला शामली,

श्री रमेश यादव, ग्राम तोफापुर, पोस्ट ऑफिस बरेन, तहसील सदर, जिला वाराणसी, श्री कौशल कुमार रावत, ग्राम केहाराय, पोस्ट ऑफिस प्रतापपुरा, पुलिस स्टेशन ताजगंज, जिला आगरा, श्री प्रदीप सिंह, ग्राम अजान, पोस्ट ऑफिस सुखचैनपुर, पुलिस स्टेशन और तहसील तेरवा, जिला कन्नौज, श्री श्यामबाबू, ग्राम रायगवां, पोस्ट ऑफिस नोनारी, तहसील देरापुर, जिला कानपुर देहात, श्री अजीत कुमार आजाद, वार्ड नम्बर-21, लोकनगर, पोस्ट ऑफिस/तहसील सदर, जिला उन्नाव। मान्यवर, ये 12 लोग उत्तर प्रदेश के हैं। मान्यवर, अभी सदन में कई लोगों की ओर से आया और हम भी महसूस करते हैं कि आज दो मिनट का मौन रखने के बाद इस सदन को आज दिन भर के लिए स्थगित करने की कृपा करें।

श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही-

माननीय अध्यक्ष जी, कल की घटना को लेकर पूरा देश आज गुस्से में भी है और दुःख में भी है। सैनिकों के बारे में हमको काफी जानकारी है क्योंकि हम जहां से आते हैं, मेरा जो मूल गांव है सैरपुर वहां आज भी 55 हजार के लगभग पूर्व सैनिक हैं और लगभग 400-500 लोग आज भी सेना में हैं। मान्यवर, कोई भी युद्ध हुआ हो, हमेशा हमारे यहां के लोगों ने हंसते-हंसते देश के लिए जान दी है, शहीद हुए हैं। मान्यवर, कल की घटना 3 बजकर 15 मिनट पर जैश-ए-मोहम्मद जोकि आतंकवादी संगठन है और पाकिस्तान समर्थित है, उसने जिस प्रकार से हमारे 78 वाहनों में 2547 लोग, जो हमारे बहादुर जवान थे, जो अपने घरों को छुट्टी मनाने जा रहे थे, उन लोगों के साथ अवन्तीपुरा में आतंकी घटना हुई जिसमें 40 से अधिक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस के जवान शहीद हुए और काफी लोग अभी लापता हैं, उनका पता नहीं है, बहुत से लोग इंजर्ड हैं। इस घटना को लेकर आज पूरे देश में रोष की स्थिति है और पाकिस्तान बार-बार इन घटनाओं को करने के लिए हमारी सेना पर कहीं न कहीं वार करता रहता है क्योंकि पाकिस्तानी सेना और वहां के लोगों के पास सेना के सामने लड़ने की हिम्मत नहीं है। पाकिस्तानी सेना छिपकर आतंकवादी घटनाओं के सहारे बार-बार हमला करता है। हमारे देश में इस घटना को लेकर जिस प्रकार से आज दुःख की घड़ी में सब लोग खड़े हैं। शहीद परिवारों के साथ सहानुभूति रखते हुए, उन परिवारों के पीछे पूरा देश खड़ा है। मैं एक और संशोधन चाहूंगा कि हम सभी दलों के लोग यहां पर बोले हैं। सभी ने अपने-अपने दल की तरफ से श्रद्धांजलि की बात कही है। मा0 अध्यक्ष जी, मैं चाहूंगा कि उस परम्परा को खत्म करके, चूंकि इस घटना के पीछे पूरा देश खड़ा है, सभी दल खड़े हुए हैं तो यह दलों से ऊपर की बात है। उनके परिजनों को जो सम्वेदना जाए, वह किसी दल की ओर से न जाकर इस सदन की ओर से जाए। उत्तर प्रदेश के सदन में सभी दल शामिल हैं। दलों से ऊपर उठकर उनके परिवारों को संवेदना भेजने का काम करें।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

श्री वीरेन्द्र सिंह सिरोही-

मान्यवर, इस प्रकार की घटना की हम घोर निन्दा करते हैं। इस प्रकार की घटनाएं नहीं होनी चाहिए, जैसा सरकार ने भी कहा है। हम उसका कड़ा जवाब देने के लिए तैयार हैं। भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो, ऐसा प्रयास होना चाहिए। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

जिस आतंकी घटना का उल्लेख करते हुए मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी, मा0 नेता प्रतिपक्ष, मा0 नेता बसपा, मा0 नेता कांग्रेस, मा0 पटेल जी, मा0 राजभर जी और अन्य मा0 सदस्यों ने व्यक्त किया है, उनसे मैं स्वयं को सम्बद्ध करता हूं। पूरा देश स्तब्ध है, पूरा देश व्यथित है। देश के सभी राजनीतिक दल, देश की सामाजिक-सांस्कृतिक संस्थाएं, देश का एक-एक व्यक्ति आहत है। ऐसे में पाकिस्तान पड़ोसी देश, जिसके प्रति भरत की पहले से ही बहुत प्रेमपूर्ण दृष्टिकोण रहा है, वह एक स्वाभाविक और प्राकृतिक राष्ट्र नहीं है। इतिहास बताता है, भारत का विभाजन बताता है कि जिस तरह संस्कृतियों से राष्ट्र बनते हैं, वैसा राष्ट्र पाकिस्तान नहीं है। इस बार के हमले ने तमाम लोगों का यह मत सिद्ध किया है कि पाकिस्तान न तो लोकतांत्रिक राष्ट्र है, न ही वहां संवैधानिक सत्ता है, न ही उस देश में कोई नियम-कानून और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों का ध्यान रखा जाता है। पूरा का पूरा देश आतंकवाद की एक छावनी है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के सभी मा0 वरिष्ठजनों ने, सभी नेताओं ने एक स्वर से सरकार के साथ होने का और किसी भी तरह की कार्रवाई करने का वचन दिया है, यह भावना बहुत स्वागत योग्य है। हम सब भिन्न-भिन्न समाचार माध्यमों से देख रहे हैं कि महामहिम राष्ट्रपति जी, मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, मा0 गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी सहित कांग्रेस के नेता, समाजवादी पार्टी के नेता, भिन्न-भिन्न दलों के नेता राष्ट्रीय स्तर पर भी इसी भावना को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रातःकाल मा0 मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी, मा0 संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना जी और हम लोग साथ-साथ थे और हम लोगों का भी विचार श्रद्धांजलि के बाद आज की कार्यवाई स्थगित करने का था। यह अच्छा हुआ कि इस बिन्दु पर हम सबका विचार एक है। मैं सभी दलों द्वारा सभी सदस्यों द्वारा व्यक्त की गई शोक संवेदनायें उनके परिजनों तक पहुंचाऊंगा और जो शहीद हुए हैं, उन्हें देश लगातार स्मरण रखेगा। वे हमारे गौरवशाली इतिहास का महत्वपूर्ण अंग बनेंगे। मैं ऐसे शहीद हुए परिवारों, उनके परिजनों तक इस आदरणीय सदन की शोक संवेदनायें पहुंचाऊंगा। जो घायल हैं वह शीघ्र स्वस्थ हों, यह सदन की भावनायें भी उनके पास पहुंचाऊंगा। आइये, हम सब जो शहीद हुए हैं उनकी स्मृति में दो मिनट का मौन रखें।

(सदन में दो मिनट का मौन रखा गया। ॐ शान्ति, ॐ शान्ति, ॐ शान्ति)

अब हम सोमवार, 18 फरवरी, 2019 के पूर्वाह्न 11:00 बजे तक के लिये उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 11 बजकर 36 मिनट पर सोमवार, दिनांक 18 फरवरी, 2019 के दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव, विधान सभा,
उत्तर प्रदेश।

लखनऊ :
दिनांक 15 फरवरी, 2019

पी0एस0यू0पी0-एल0-32 विधान सभा (45)-07-06-2021-631 प्रतियां (कम्प्यूटर/आफसेट)।